चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 10 अगस्त 2026, अंक –332.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

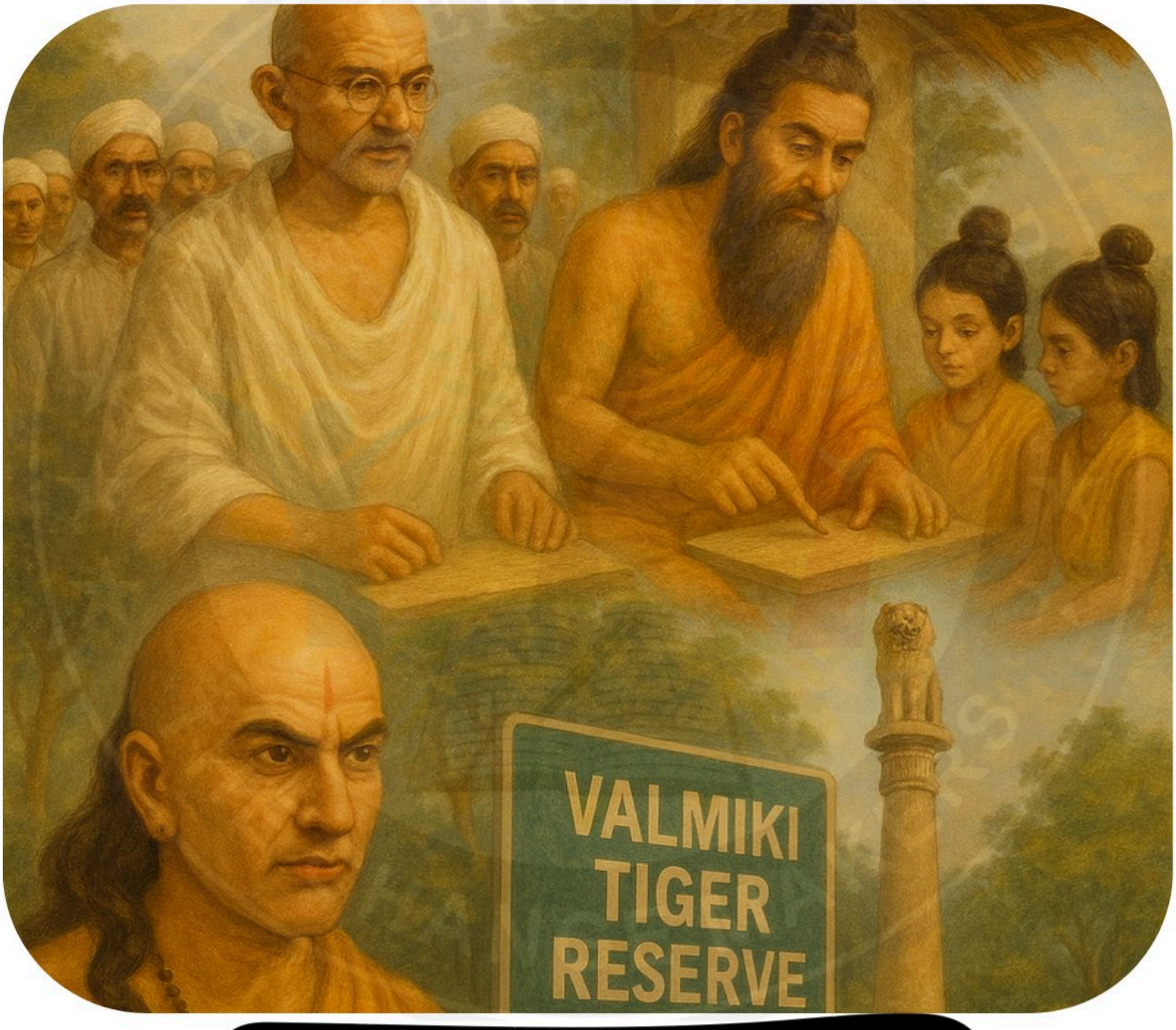

"जिज्ञासा ही ज्ञान की जननी है।"

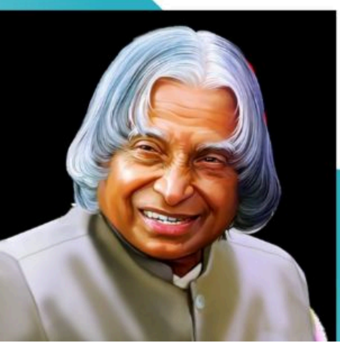

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक

उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नॉर्वे की राजधानी क्या है?
उत्तर: ओस्लो
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन थीं?
उत्तर: मीरा कुमार
प्रश्न 3. 'बिहू' असम का प्रमुख लोकपर्व है। यह मुख्यतः किससे जुड़ा है?
उत्तर: कृषि
प्रश्न 4. 16 और 24 का महत्तम समापवर्तक (HCF) क्या है?
उत्तर: 8
प्रश्न 5. बिहार का 'राजगीर' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: नालंदा
प्रश्न 6. सिमलिपाल राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 7. ग्रामोफोन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: एमिल बर्लिनर
प्रश्न 8. भारत के वर्तमान उपराष्ट्रपति कौन हैं?
उत्तर: सी. पी. राधाकृष्णन
प्रश्न 9. 'अंधकार' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: प्रकाश
प्रश्न 10. पौधों की जड़ों से पत्तियों तक जल किस ऊतक द्वारा पहुँचता है?
उत्तर: जाइलम

संकलन:-

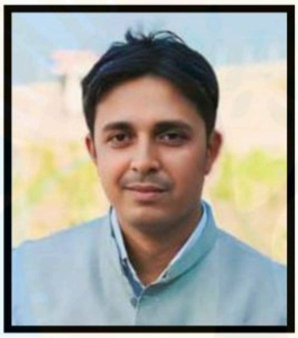

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Thigh – (थाइ) – जाँघ
Calf – (काफ़) – पिंडली
Sole – (सोल) – पैर का तलवा
Fingernail – (फिंगरनेल) – हाथ के नाखून
Earlobe – (ईयरलोब) – कान की लौ
Collarbone – (कॉलरबोन) – हंसली / कॉलर की हड्डी
Kneecap – (नीकैप) – घुटने की टोपी / जानुका

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम कहाँ ... करोगे/जाओगे?" (Where will you ...?)

तुम कहाँ पढ़ोगे/पढ़ोगी? – Where will you study?
तुम कहाँ जाओगे/जाओगी? – Where will you go?
तुम कहाँ खेलोगे/खेलोगी? – Where will you play?
तुम कहाँ खाना खाओगे/खाओगी? – Where will you eat?
तुम कहाँ अपना होमवर्क करोगे/करोगी? – Where will you do your homework?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 10 अगस्त को कौन से दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाए जाते हैं? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व सिंह दिवस (World Lion Day) और विश्व जैव ईंधन दिवस (World Biofuel Day)
व्याख्या: 10 अगस्त को "विश्व सिंह दिवस" (World Lion Day) प्रतिवर्ष मनाया जाता है जिसका उद्देश्य सिंह संरक्षण, आवास सुरक्षा और घटती जनसंख्या के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। (StudyIQ) 10 अगस्त को ही "विश्व जैव ईंधन दिवस" (World Biofuel Day) भी मनाया जाता है — यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए है। (Wikipedia) यह दिवस जर्मन इंजीनियर रुडोल्फ डीज़ल द्वारा 9 अगस्त 1893 को मूँगफली के तेल से इंजन का सफल संचालन करने की याद दिलाता है। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय 2015 से इस दिवस का आयोजन कर रहा है। (Testbook)
संदर्भ: nationaldaycalendar.com World Lion Day 2026;

प्र.2. 4 अगस्त 2026 को अरुणाचल प्रदेश की "ग्लॉ झील" (Glaw Lake) को भारत का 101वाँ रामसर स्थल घोषित किया गया — यह किस जिले में है और यहाँ की विशेषता क्या है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: अंजॉ जिला; अरुणाचल का पहला रामसर स्थल
व्याख्या: 4 अगस्त 2026 को ग्लॉ झील (Glaw Lake) अरुणाचल प्रदेश का पहला रामसर स्थल बनी और भारत की रामसर स्थल गिनती 101 पहुँची। (Legacy IAS Academy) ग्लॉ झील अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में चीन सीमा के निकट स्थित एक उच्च-ऊँचाई वाली हिमालयी झील है। यह "Indo-Burma Biodiversity Hotspot" का भाग है और दुर्लभ प्रवासी पक्षियों का महत्वपूर्ण आवास है। रामसर कन्वेंशन (1971) के अंतर्गत नामांकित आर्द्रभूमियाँ अंतरराष्ट्रीय महत्व की मानी जाती हैं। भारत अब एशिया में सर्वाधिक रामसर स्थलों वाला देश है। बिहार में "कांवर झील" (बेगूसराय) और "उदयपुर झील" (पश्चिम चंपारण) रामसर स्थल हैं।
संदर्भ: currentaffairs.adda247.com 4 August 2026 — Glaw Lake Ramsar Site;

प्र.3. "बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक, 2026" किस 135 वर्ष पुराने कानून का स्थान लेता है और इसमें क्या मुख्य परिवर्तन हुआ? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट, 1891; डिजिटल बैंक रिकॉर्ड को प्राथमिक साक्ष्य मान्यता
व्याख्या: लोकसभा ने "बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक, 2026" को ध्वनि मत से पारित किया। वित्त मंत्री द्वारा 3 अगस्त 2026 को प्रस्तुत यह विधान 135 वर्ष पुराने औपनिवेशिक-युग के बैंकर्स बुक्स एविडेंस अधिनियम, 1891 का स्थान लेता है। (Vajiram & Ravi) यह विधान कानूनी कार्यवाही में बैंक रिकॉर्ड को वैध, प्राथमिक साक्ष्य के रूप में स्वीकार्यता के लिए एक अद्यतन विधायी ढाँचा है। यह प्रमाणित भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक बैंक रिकॉर्ड के उद्धरण को मूल खाता-बही के बिना न्यायालय में प्रस्तुत करने की अनुमति देता है। (Vajiram & Ravi) अब क्लाउड-आधारित, वर्चुअल और डिजिटल बैंकिंग रिकॉर्ड को न्यायालय में साक्ष्य के रूप में मान्यता मिलेगी।
संदर्भ: insightsonindia.com UPSC Current Affairs 6 August 2026 — Bankers Books Evidence Bill 2026;

प्र.4. "एशियाई शेर" (Asiatic Lion) भारत में केवल किस स्थान पर पाया जाता है और हाल की गणना के अनुसार इनकी संख्या कितनी है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: गिर वन (गुजरात); 891 (2025 गणना)
व्याख्या: एशियाई शेर (Panthera leo persica) गुजरात के "गिर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य" में विश्व में एकमात्र स्थान पर पाया जाता है। 16वीं शेर जनसंख्या गणना (मई 2025) के अनुसार इनकी संख्या 891 है जो 2020 से 32% की वृद्धि दर्शाती है। एशियाई शेर की दीर्घकालिक उत्तरजीविता एकल भौगोलिक क्षेत्र में केंद्रित होने के जोखिम से प्रभावित है। (Adda247) IUCN लाल सूची में यह "लुप्तप्राय" (Endangered) श्रेणी में है। "प्रोजेक्ट लायन" 2020 में लॉन्च हुआ। भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है, किंतु एशियाई शेर "गुजरात का गौरव" कहलाता है।
संदर्भ: vajiramandravi.com Asiatic Lion Conservation, 6 August 2026;

प्र.5. "पोरस का साहस" — 326 ईपू में सिकंदर महान और पोरस (पुरुवास) के बीच कौन सा ऐतिहासिक युद्ध हुआ? (इतिहास)
उत्तर: हाइडेस्पीज़ का युद्ध (झेलम नदी के तट पर)
व्याख्या: 326 ईपू में यूनानी विजेता सिकंदर महान (Alexander the Great) और पंजाब के राजा पोरस (पुरुवास) के बीच "हाइडेस्पीज़ का युद्ध" (Battle of Hydaspes) हुआ — "हाइडेस्पीज़" झेलम नदी का यूनानी नाम था। युद्ध में पोरस पराजित हुए किंतु उनके अदम्य साहस से प्रभावित होकर सिकंदर ने उनका राज्य वापस किया। इस युद्ध के बाद सिकंदर की सेना आगे बढ़ने से इनकार कर दी और वे लौट गए। सिकंदर का भारत में सबसे पूर्वी अभियान यहीं तक रहा। इस युद्ध ने उत्तर-पश्चिम भारत में यूनानी प्रभाव छोड़ा जो बाद में "गांधार कला" में परिलक्षित हुआ।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 8 Ashoka the Emperor, p. 98

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "जैव ईंधन" (Biofuel) के प्रमुख प्रकार कौन से हैं और "इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम" (Ethanol Blending Programme) में भारत ने क्या लक्ष्य रखा है? (भूगोल)

उत्तर: इथेनॉल, बायोडीज़ल, बायोगैस; 2025-26 तक E20 (20% इथेनॉल)

व्याख्या: जैव ईंधन के प्रमुख प्रकार: (1) इथेनॉल (Ethanol): गन्ना, मक्का, अनाज से — पेट्रोल के साथ मिश्रित; (2) बायोडीज़ल (Biodiesel): जट्रोफा, करंज, सरसों तेल से — डीज़ल के साथ; (3) बायोगैस (Biogas): जैविक अपशिष्ट से — CNG विकल्प। भारत का "राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018" — 2025-26 तक "E20" (20% इथेनॉल-80% पेट्रोल मिश्रण) का लक्ष्य। इथेनॉल सम्मिश्रण से: (1) कच्चे तेल का आयात कम होता है (विदेशी मुद्रा बचत); (2) CO_2 उत्सर्जन घटता है; (3) किसानों को अतिरिक्त आय। 2026 तक भारत का सम्मिश्रण स्तर लगभग 15-17% पहुँच गया है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र प्रमुख इथेनॉल उत्पादक राज्य हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 14 Sources of Energy, p. 183–186;

प्र.7. "भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026" (ISI Bill) क्यों चर्चा में है और ISI की स्थापना किसने और कब की थी? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: स्वायत्तता पर विवाद; प्रशांत चंद्र महलानोबिस; 1931 में

व्याख्या: "भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026" राज्यसभा में शासन विवाद का विषय बना। (Vajiram & Ravi) यह विधेयक ISI (Indian Statistical Institute) के प्रशासनिक ढाँचे में परिवर्तन से संबंधित है जिस पर विपक्ष ने संस्था की स्वायत्तता पर प्रश्न उठाए। ISI की स्थापना प्रशांत चंद्र महलानोबिस (P.C. Mahalanobis) ने 1931 में कोलकाता में की थी — वे भारतीय सांख्यिकी के पितामह माने जाते हैं। ISI को 1959 में "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" घोषित किया गया। महलानोबिस "महलानोबिस दूरी" (Mahalanobis Distance) के प्रतिपादक हैं। ISI में कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में केंद्र हैं।

संदर्भ: insightsonindia.com 6 August 2026 — ISI Bill 2026;

प्र.8. "हार्ड वॉटर" (Hard Water) और "सॉफ्ट वॉटर" (Soft Water) में क्या अंतर है और कठोर जल पीने के क्या स्वास्थ्य प्रभाव होते हैं? (विज्ञान)

उत्तर: कठोर जल — Ca/Mg लवण युक्त, साबुन नहीं झागता; मृदु जल — शुद्ध; अधिक कठोरता से किडनी स्टोन

व्याख्या: "कठोर जल" (Hard Water) में कैल्शियम (Ca^{2+}) और मैग्नीशियम (Mg^{2+}) के बाइकार्बोनेट, सल्फेट और क्लोराइड लवण घुले होते हैं। इससे साबुन आसानी से नहीं झागता — साबुन के साथ "स्कम" (Scum) बनता है। कठोर जल के प्रकार: (1) अस्थायी कठोरता: उबालने से दूर होती है (बाइकार्बोनेट टूटकर $CaCO_3$ जम जाता है); (2) स्थायी कठोरता: उबालने से दूर नहीं होती। स्वास्थ्य प्रभाव: अत्यधिक Ca/Mg पेट में जमने से "किडनी स्टोन" (वृक्क अश्मरी) का खतरा बढ़ता है। "मृदु जल" (Soft Water) में ये लवण नहीं होते — यह साबुन के साथ अच्छा झाग देता है। राजस्थान और गुजरात में भूजल अत्यधिक कठोर है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 2 Acids Bases and Salts, p. 25–26;

प्र.9. "कांगड़ा चाय" (Kangra Tea) और "दार्जीलिंग चाय" (Darjeeling Tea) — दोनों को GI Tag प्राप्त है — इनमें मुख्य भौगोलिक अंतर क्या है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कांगड़ा — हिमाचल प्रदेश (धर्मशाला); दार्जीलिंग — पश्चिम बंगाल (हिमालय की तलहटी)

व्याख्या: कांगड़ा चाय: हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले (धौलाधार पर्वत श्रृंखला की ढलानों) में उगाई जाती है — यह "Camellia sinensis" की किस्म है। 1852 से उत्पादन जारी है। GI Tag 2005 में प्राप्त हुआ। इसका स्वाद हल्का और सुगंधित है। दार्जीलिंग चाय: पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग जिले में हिमालय की ऊँची ढलानों (600-2000 मीटर) पर उगती है। इसे "चाय की शैंपेन" (Champagne of Teas) कहते हैं — GI Tag 2004 में मिला। दोनों में अंतर: कांगड़ा में पर्याप्त बारिश, मध्यम तापमान; दार्जीलिंग में ठंड और धुंध अधिक। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (7 अगस्त) के निकट यह प्रश्न GI Tag और हस्तशिल्प विरासत से जोड़ता है।

संदर्भ: GI Registry India — Kangra Tea (2005), Darjeeling Tea (2004);

प्र.10. बिहार में "आर्सेनिक प्रभावित जिलों" में "जल जीवन मिशन" के अंतर्गत सतही जल (Surface Water) का उपचार कर पाइप से आपूर्ति क्यों आवश्यक है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: भूजल में आर्सेनिक; सतही जल (गंगा/नहर) से शुद्ध आपूर्ति सुरक्षित

व्याख्या: बिहार के गंगा बेसिन जिलों — भोजपुर, बक्सर, पटना, वैशाली, सारण, भागलपुर, कटिहार — में भूजल में आर्सेनिक की मात्रा WHO की सुरक्षित सीमा (0.01 mg/L) से 5-10 गुना अधिक पाई गई है। यहाँ "हैंडपंप" (Handpump) और "नलकूप" (Tube Well) के पानी का उपयोग असुरक्षित है। "जल जीवन मिशन" के अंतर्गत इन जिलों में "सतही जल उपचार संयंत्र" (Surface Water Treatment Plants) लगाकर गंगा नदी और नहरों के जल का शुद्धिकरण कर पाइप द्वारा घरों तक पहुँचाना अनिवार्य किया गया है। बिहार के PHED (Public Health Engineering Department) ने इन जिलों को प्राथमिकता दी है।

संदर्भ: Bihar PHED Arsenic Affected Districts Report 2026;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार – विद्यालय में "पेयजल स्वच्छता जाँच" (Water Quality Check) के लिए बच्चों को कौन से सरल घरेलू परीक्षण सिखाए जाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: रंग-गंध-स्वाद जाँच, ORP टेस्ट स्ट्रिप, ब्लीचिंग पाउडर परीक्षण

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अंतर्गत विद्यालयों में बच्चों को निम्न सरल जल परीक्षण विधियाँ सिखाई जाएँ: (1) रंग-गंध-स्वाद जाँच: साफ पानी रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन होना चाहिए – पीला/भूरा रंग या सड़ाँध की गंध खतरे का संकेत; (2) ORP/pH टेस्ट स्ट्रिप: सरल रासायनिक पट्टियाँ जो जल की pH जाँचती हैं (7 = तटस्थ, शुद्ध); (3) ब्लीचिंग पाउडर परीक्षण: 1 लीटर जल में 1 बूँद ब्लीचिंग पाउडर घोल – यदि 30 मिनट बाद भी हल्की क्लोरीन गंध आए तो जल कीटाणुरहित है; (4) हाथ धोने का WASH अभ्यास: खाने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से 20 सेकंड हाथ धोना। बिहार के ग्रामीण विद्यालयों में ये परीक्षण बच्चों को सशक्त बनाते हैं।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W2 – "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय"; bsdma.org;

प्र.12. 500 मिलीलीटर (0.5 लीटर) पानी में 1 बूँद क्लोरीन घोल मिलाने से उसे शुद्ध किया जा सकता है। यदि एक विद्यालय में प्रतिदिन 60 छात्र 200-200 मिलीलीटर पानी पीते हैं, तो पूरे एक सप्ताह के लिए कुल कितने लीटर पानी और कितनी बूँदें क्लोरीन की आवश्यकता होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 84 लीटर पानी; 168 बूँद क्लोरीन

व्याख्या: प्रतिदिन पानी = 60 × 200 मिलीलीटर = 12,000 मिलीलीटर = 12 लीटर। एक सप्ताह (7 दिन) = 12 × 7 = 84 लीटर। क्लोरीन की बूँदें: 1 बूँद = 500 मिलीलीटर = 0.5 लीटर के लिए। 84 लीटर के लिए = 84 ÷ 0.5 = 168 बूँदें। यह प्रश्न "गणित को दैनिक स्वास्थ्य जीवन से जोड़ता है" – बच्चे WASH (Water, Sanitation and Hygiene) और जल शुद्धिकरण का व्यावहारिक गणित सीखते हैं। इकाई-रूपांतरण (mL → L), गुणन और भाग – ये सभी कौशल BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं के लिए मूलभूत हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 1 Knowing Our Numbers – Unit Conversion;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

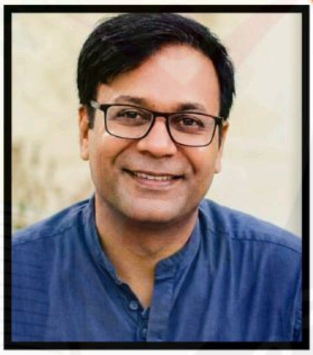

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Lacuna (लैक्यूना) = Gap (गैप) = कमी / रिक्तता / अंतराल
    Antonym – Completeness (कम्प्लीटनेस) = पूर्णता

Meander (मिऐन्डर) = Wander (वॉन्डर) = घुमावदार मार्ग से चलना / भटकना
    Antonym – Proceed (प्रोसीड) = सीधे आगे बढ़ना

Nuance (न्यूआन्स) = Subtlety (सटल्टी) = सूक्ष्म अंतर / बारीकी
    Antonym – Obviousness (ऑब्वियसनेस) = स्पष्टता

Ominous (ऑमिनस) = Threatening (थ्रेटनिंग) = अशुभ / अनिष्टसूचक
    Antonym – Auspicious (ऑस्पिशस) = शुभ

Pernicious (परनिशस) = Harmful (हार्मफुल) = हानिकारक / विनाशकारी
    Antonym – Beneficial (बेनेफिशियल) = लाभकारी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Quantum Computing and Semiconductor Mission Phase-III'.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय क्वांटम कंप्यूटिंग एवं सेमीकंडक्टर मिशन चरण-III' का अनावरण किया।
भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण और क्वांटम अनुसंधान में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने मिशन के अगले चरण को अधिसूचित किया है। इसके तहत घरेलू चिप डिज़ाइनिंग, सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन (Fab Units) और क्वांटम क्रिप्टोग्राफी अनुसंधान प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन एवं बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान की जाएगी।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Urban Transportation Index 2026', Highlighting Clean Energy Integration.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने स्वच्छ ऊर्जा एकीकरण को रेखांकित करते हुए 'राष्ट्रीय सतत शहरी परिवहन सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में मेट्रो कनेक्टिविटी के विस्तार, ई-बस बेड़े के सुदृढ़ीकरण और सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में सौर ऊर्जा के उपयोग के मामले में महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह रिपोर्ट शहरी क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने के राष्ट्रीय प्रयासों का मूल्यांकन करती है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Acceptance Testing of Indigenously Developed High-Thrust Semi-Cryogenic Engine.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने स्वदेशी रूप से विकसित उच्च-थ्रस्ट सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे वाणिज्यिक एवं गगनयान जैसे मानवयुक्त अभियानों को महत्वपूर्ण मजबूती मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Milestone Resolution Establishing International Regulatory Framework for Space Debris Mitigation.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियामक ढांचा स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) को सुरक्षित और कचरा-मुक्त रखने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि ढांचे को मंजूरी दी। इस समझौते के तहत व्यावसायिक और सरकारी उपग्रह ऑपरेटरों के लिए सेवा समाप्त होने पर उपग्रहों को सुरक्षित रूप से डी-ऑर्बिट करने के नियम अनिवार्य किए गए हैं।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Announce Joint $2.5 Billion Climate Resilience Facility for South Asian Coastal Regions.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई तटीय क्षेत्रों के लिए संयुक्त $2.5 बिलियन की जलवायु लचीलापन सुविधा की घोषणा की।
समुद्र के बढ़ते जलस्तर और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न तटीय जोखिमों का सामना कर रहे दक्षिण एशियाई देशों (विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका) के तटीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए वित्तीय पैकेज मंजूर किया गया है। इस फंड का उपयोग तटीय सुरक्षा तटबंधों, चक्रवात पूर्व-चेतावनी प्रणालियों और मैंग्रोव संरक्षण के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Grid 3.0' for Disease Outbreak Early Warning.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने संक्रामक प्रकोपों की पूर्व चेतावनी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस ग्रिड 3.0' की शुरुआत की।
वैश्विक स्तर पर उभरते संक्रामक रोगों और उनके म्यूटेशन की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस उन्नत डिजिटल निगरानी नेटवर्क का अनावरण किया है। यह प्रणाली जीनोम अनुक्रमण डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों को अलर्ट जारी करेगी।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Mega Logistics Policy 2026' to Subsidize Rural Agro-Startups.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-स्टार्टअप्स को सब्सिडी प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं मेगा लॉजिस्टिक्स नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि-आधारित उद्योगों को आधुनिकीकरण प्रदान करने और स्थानीय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन (Value Addition) के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके तहत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के प्रसंस्करण, शीतगृह निर्माण और सीधे निर्यात में लगे कृषि-स्टार्टअप्स को सब्सिडी और रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetland Ecosystems in Kosi-Seemanchal Belt.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-सीमांचल बेल्ट की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पूर्वी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण करना और भूजल स्तर में सुधार लाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Squad Tops Medal Tally at ISSF Junior World Championship with Strong Performance in Pistol Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी दल ने पिस्टल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन के साथ आईएसएसएफ (ISSF) जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय युवा निशानेबाजों ने अपना उत्कृष्ट फॉर्म जारी रखा। प्रतियोगिता के दौरान भारतीय टीम ने 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धाओं में कई स्वर्ण और रजत पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान बरकरार रखा।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Introduces Updated Athlete Workload Guidelines for Enhanced Injury Prevention.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने चोटों की रोकथाम और खिलाड़ी सुरक्षा के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार दिशानिर्देश जारी किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने नए तकनीकी नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय दौरों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत मेडिकल रिकवरी प्रोटोकॉल को अनिवार्य बनाया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"गलती पर पर्दा नहीं"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में मालती मैडम बच्चों से कह रही थीं, "बच्चों, गलती होना बुरी बात नहीं है, लेकिन गलती को छिपाना और उसे दोहराते रहना जरूर नुकसानदायक है।"

उन्होंने एक घटना सुनाई।

मोनू नाम का एक बच्चा पढ़ाई में अच्छा था, लेकिन वह छोटी-छोटी बातों में झूठ बोलने लगा था। एक दिन उसने दुकान से बिना पैसे दिए एक छोटी वस्तु उठा ली। दुकानदार ने उसके पिता को इसकी जानकारी दी।

पिता ने मोनू को समझाने के बजाय दुकानदार से कहा, "बच्चा है, गलती हो गई होगी। आप बात को यहीं खत्म कर दीजिए।"

मोनू ने पिता की बात सुन ली। उसे लगा कि गलती करने पर उसे कोई नुकसान नहीं होगा।

कुछ दिनों बाद उसने विद्यालय में किसी दूसरे बच्चे की वस्तु बिना पूछे ले ली। शिकायत घर तक पहुँची तो माँ ने फिर उसका पक्ष लेते हुए कहा, "बच्चों से ऐसी छोटी-मोटी गलतियाँ हो जाती हैं।"

धीरे-धीरे मोनू को अपनी हर गलती के लिए घर से बचाव मिलने लगा। वह पढ़ाई से लापरवाह होने लगा, झूठ बोलने लगा और दूसरों की चीजों का सम्मान करना भी भूल गया।

एक दिन विद्यालय में उसकी बड़ी गलती सामने आई। इस बार उसके माता-पिता को समझ आया कि हर बार बच्चे की गलती पर पर्दा डालना उसके हित में नहीं था।

पिता ने मोनू से कहा, "बेटा, हम तुम्हें परेशानी से बचाना चाहते थे, लेकिन हमने तुम्हें अपनी गलतियों से सीखने का अवसर ही नहीं दिया।"

मोनू की आँखें नम हो गईं। उसने अपनी गलती स्वीकार की और जिन लोगों को नुकसान पहुँचाया था, उनसे माफी माँगी।

मालती मैडम ने बच्चों से कहा, "माता-पिता का प्यार जरूरी है, लेकिन सच्चा प्यार वह है जो बच्चे को गलत रास्ते से वापस लाए। गलती पर डाँटने के बजाय समझाना और सही परिणाम का सामना कराना बच्चे को जिम्मेदार बनाता है।"

संदेश: "बच्चे की हर गलती पर पर्दा डालना उसे बचाना नहीं, बल्कि उसकी गलती को बढ़ावा देना है। सच्चा प्यार सही और गलत का अंतर समझाना है।"

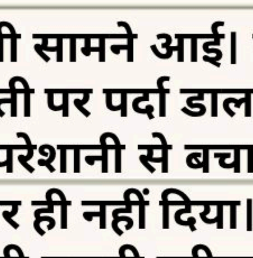

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉज़िटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण● बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ● जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

"सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।"

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : नवादा, अंक–3"

'संपादकीय' ✍️

शीर्षक: नवादा: कृषि व वनीय आर्थिकी, ककोलत का इको-टूरिज्म और भावी विकास

नवादा की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके शांत पहाड़ी अंचलों, प्राचीन लोक-उत्सवों और सर्व-धर्म समभाव में धड़कता है। हिसुआ का ककोलत जलप्रपात मेला (सतुआनी/वैशाखी के अवसर पर) और तपोवन का वार्षिक मेला पूरे जिले को एक सांस्कृतिक डोर में पिरोता है। इसके साथ ही, रजौली और अकबरपुर के अंचलों में गूँजती लोक-गाथाएँ और गुणावां जी का वार्षिक जैन महोत्सव मगध की पावन सामाजिक समरसता को और भी मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।

आर्थिक और कृषि मोर्चे पर नवादा की मुख्य पहचान 'बहु-फसली कृषि और वनीय संपदा' पर आधारित है। वारसलीगंज, हिसुआ और काशीचक के मैदानी इलाकों में धान, गेहूं, चना और गन्ने की बंपर पैदावार होती है। वारसलीगंज का औद्योगिक बेल्ट कभी चीनी उत्पादन का बड़ा केंद्र रहा था और आज भी यहाँ की कृषि मंडियाँ क्षेत्रीय व्यापार को मज़बूत वित्तीय तरलता (Cash Flow) प्रदान करती हैं।

दक्षिणी और पश्चिमी प्रखंडों (रजौली, गोविंदपुर और सिरदला) में स्थित घने जंगलों से मिलने वाला लघु वनोपज (Minor Forest Produce)—जैसे महुआ, तेंदू पत्ता, हर्रा, बहेड़ा और कल्पवृक्ष के बीज—हज़ारों गरीब और ग्रामीण परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है। इसके साथ ही, रजौली के आसपास के इलाकों में तसर रेशम कताई और हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा मौजूद है, जो स्थानीय कुटीर उद्योगों की रीढ़ है।

पर्यटन और विकास के मोर्चे पर नवादा ने हाल के वर्षों में नया आयाम हासिल किया है। ककोलत जलप्रपात का आधुनिक सौंदर्यीकरण और एस्केलेटर व पर्यटकों की सुरक्षा सुविधाओं के विकास ने इसे राज्य के प्रमुख इको-टूरिज्म स्पॉट में बदल दिया है। इसके साथ ही, रजौली वन्यजीव अभ्यारण्य को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ 'एडवेंचर और इको-टूरिज्म' के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो नवादा में 'एग्रो-प्रोसेसिंग' और 'इको-स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉरिडोर' की अपार संभावनाएँ हैं। वारसलीगंज औद्योगिक क्षेत्र के पुनरुद्धार और खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing) इकाइयों की स्थापना से स्थानीय उपज को नया बाज़ार मिल सकता है। ककोलत, तपोवन, अफसढ़ और गुणावां जी को एक एकीकृत पर्यटन सर्किट में पिरोकर यदि प्रचारित किया जाए, तो यह स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार और आजीविका के नए अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम है।

नवादा का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपनी ऐतिहासिक गुप्तकालीन विरासत, दार्शनिक चेतना, ककोलत की प्राकृतिक सुंदरता और कृषि-वनीय आर्थिकी के बल पर बिहार के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। ककोलत की जलधारा से लेकर वारसलीगंज के खेतों तक—नवादा स्वावलंबन और प्राकृतिक सौंदर्य का एक बेजोड़ मॉडल प्रस्तुत करता है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org